

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य सामान्य	अधिगम उद्देश्य विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: मुगल शासकों का परिचय पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न- परिशिष्ट संख्या-5अ/1 विषय वस्तु- *नयी समस्याएँ उपविषय वस्तु :- अ) मुगल साम्राज्य का ज्ञान आ) अंग्रेज़ी शासकों का आना इ) वाचन दक्षता पाठ्येतर विषय वस्तु *सूची निर्माण *तालिका निर्माण * आशुभाषण	विद्यार्थी :- अ) मुगलों के भारत में आने के मूल कारणों को बता सकेंगे आ) भारत में सर्वप्रथम अंग्रेज़ों को आने के मूल उद्देश्यों को बता सकेंगे इ) आशुभाषण देने में सक्षम होंगे।	विद्यार्थी :- अ) मुगल शासन में भारत में भक्ति संस्कृति, मराठों के उत्थान आदि विषयों के तथ्यों को सूचीबद्ध कर सकेंगे आ) ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रारम्भिक और बाद के मूल उद्देश्यों के अंतर को तालिका में लिख सकेंगे इ) 1. कम समय में अपनी संपूर्ण बात अथवा यूँ कहे कि कम शब्दों में अधिक कहने की कला में सक्षम हो दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर क्षणिक-प्रस्तुति (आशुभाषण) कक्षा में प्रस्तुत कर सकेंगे जिससे उनके वाचन में सटीकता, सरलता, समयबद्धता, प्रभावोत्पादकता, व्यवहारिकता में वृद्धि हो सकेगी इ) 2. गतिविधि से जुड़े अनुभव बता सकेंगे

गृहकार्य:- पाठ से संबंधित प्रश्न |

क्रियाविधि:- दिए गए विषयों पर आशुभाषण प्रस्तुति से संबंधित |

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थियों की गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:- परिशिष्ट संख्या :-5अ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या :-5अ/2 अध्यापिका के निर्देशन में उचित बलाघात के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ का वाचन करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में पाठ के भाव को आत्मसात कर पाठ के अंत में दिए प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे। क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्ट संख्या :-5अ /3 अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्ट संख्या :-5अ / 4	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे :- परिशिष्ट संख्या :-5आ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्ट संख्या :-5आ/2 उचित बलाघात के साथ पाठ के शुद्ध उच्चारण में समर्थ होंगे । पाठ के अंत में दिए प्रश्नों के उत्तर देंगे । अपनी गतिविधियों में भाग लेंगे । परिशिष्ट संख्या :-5आ/3 अभ्यास हेतु दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे । परिशिष्ट संख्या :-5आ/4	* पाठ पढ़ने के बाद लिखा जाएगा ।

सहायक सामाग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण विधि:- १. पठन-पाठनविधि,२. उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि ५.व्यास विधि
विद्यालय परिसर :- विद्यालय भवन में होने वाली गतिविधियों पर आशुभाषण प्रस्तुत कर सकेंगे ।
अन्तःविषय संबंध :-, ऐतिहासिक ज्ञान , सामाजिक ज्ञान, साहित्यिक ज्ञान , भाषा ज्ञान,इतिहास ।

पाठ 5 नयी समस्याएँ

कक्षा -आठ

1.पूर्व ज्ञान से संबन्धित प्रश्न -परिशिष्ट संख्या -5अ/1

संभावित उत्तर

प्रश्न.1- मुगल साम्राज्य की लहर किसके माध्यम सर्वप्रथम भारत आई ?

बाबर

प्रश्न.2- किस मुगल शासक के समय धर्मयात्रा पर लगने वाला कर माफ किया गया ?

अकबर

प्रश्न.3- कौन सा शासक मुगल साम्राज्य के पतन का कारण बना ?

औरंगज़ेब

प्रश्न.4- मुगल साम्राज्य के पतन के साथ-साथ कौन सी अन्य शक्ति भारत पर छाई ?

अंग्रेज़ी

कथन:- आइये प्रस्तुत पाठ को पढ़ कर जानते हैं किस प्रकार मुगल भारत में आए और अपना साम्राज्य भारत में फैलाया और किन कारणों से उनका पतन हुआ और अंग्रेज़ों ने अपना प्रभुत्व स्थापित कर लिया और इन सबके बीच भारत पर क्या प्रभाव पड़ा ।

2.काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या -5अ/2

*कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

*प्रत्येक समूह एक ए-4 शीट पर निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।

*समूह आपस में अदलाबदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

*अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देंगी।

(यथासंभव इस गतिविधि में परिवर्तन लाये जाएंगे यथा कभी छात्र चिट पर भी कठिन शब्दार्थ लिख सकते हैं या कभी अध्यापिका स्वयं चिट पर कठिन शब्द लिख कर अर्थ लिखने को कह सकती हैं ।)

3.क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्ट संख्या -5अ/3

- अध्यापिका द्वारा सभी विद्यार्थियों को एक विषय चयन करने के लिए कहा जाएगा ।

अरब और मंगोल	नानक और अमीर खुसरो	महमूद गज़नवी और अफगान	बाबर और अकबर
एशिया और यूरोप के बीच अंतर	औरंगज़ेब और शिवाजी	मराठों और अंग्रेज़ों के बीच के संघर्ष	राजा रणजीत सिंह और जय सिंह
भारत की पृष्ठभूमि - इंग्लैंड के दो रूप	कबीर- गुरु नानक	राणा प्रताप और अकबर	लक्ष्मीबाई और डलहौजी

*सभी विद्यार्थी अपने चयनित विषय से जुड़े अपने विचार अपनी समझ, जागरूकता आदि के आधार पर लिखेंगे ।

* विद्यार्थियों को वाचन के लिए दो-तीन मिनट का समय दिया जाएगा ।

* अपनी बारी आने पर अपना वाचन प्रस्तुत करेंगे ।

*मानदंडों के आधार पर विद्यार्थी अपने विचारों के लिखित रूप को भी प्रस्तुत करेंगे ।

*अध्यापिका अंत में निर्धारित प्रारूप के आधार पर मौखिक वाचन का मूल्यांकन करेंगी ।

मूल्यांकन के मानदण्ड :-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

4.अभ्यास हेतु कार्यपत्र दिया जाएगा :- परिशिष्ट संख्या -5अ/4

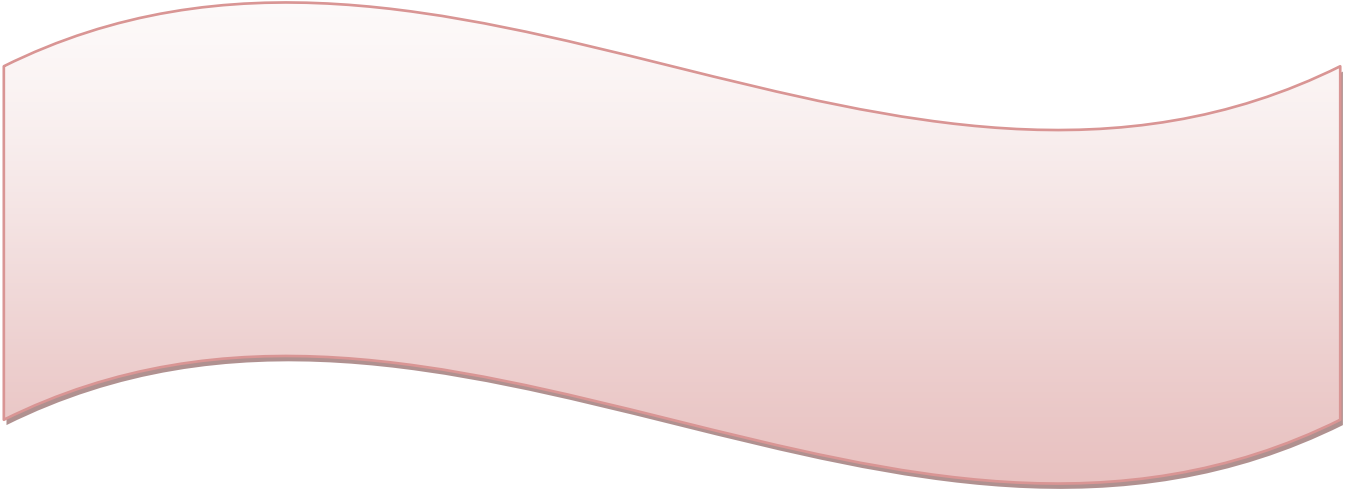
पाठ : नयी समस्याएँ

गतिविधि : क्षणिक-प्रस्तुति (आशुभाषण)

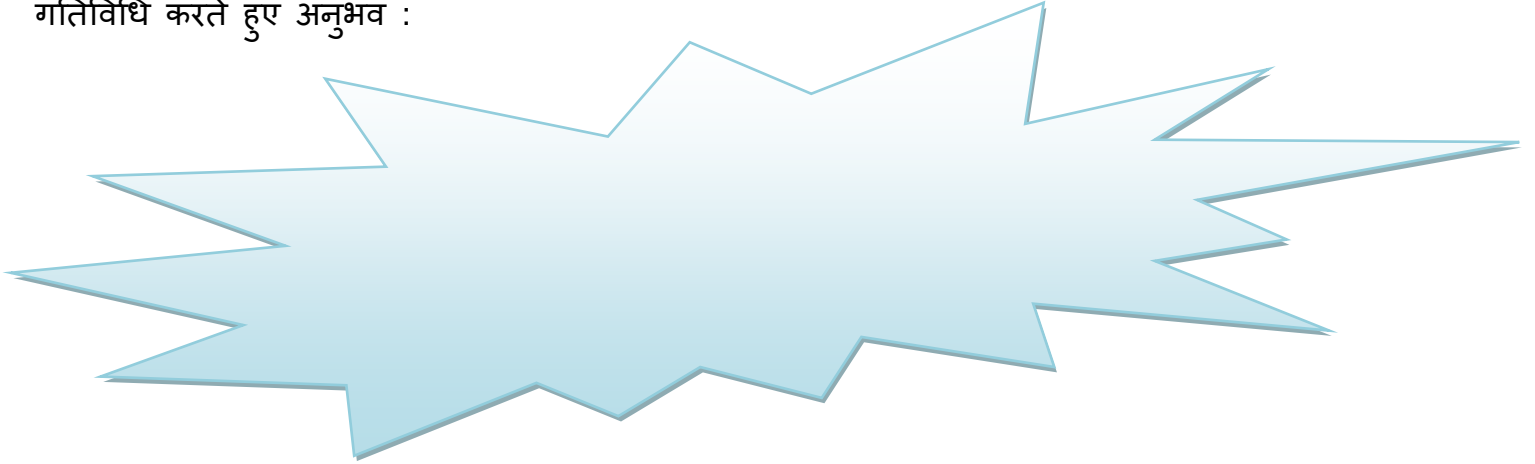
विद्यार्थी का नाम :

अनुक्रमांक :

क्षणिक प्रस्तुति से पूर्व योजनाबद्ध तरीके से विषय के मुख्य बिन्दुओं का ज्ञान :



गतिविधि करते हुए अनुभव :



गतिविधि से सीखा

एवं तदुपरांत

सोच में अंतर :

